|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Dersin Adı** | | | **Kodu** | **Yarıyılı** | **T+U** | **Kredisi** | **AKTS** | | **Girişimcilik** | | |  | 3 | 2+1 | 2,5 | 4 | | Ön koşul Dersler | |  | | | | | | | Dersin Dili | | Türkçe | | | | | | | Dersin Türü | | Zorunlu | | | | | | | Dersin Koordinatörü | |  | | | | | | | Dersi Veren | |  | | | | | | | Dersin Yardımcıları | |  | | | | | | | Dersin Amacı | | Girişimcinin ortaya çıkışını ve girişimcinin iş hayatında başarılı olması yöntemlerini kavrayabilme, işletmeleri ve ekonomideki rollerini kavrayabilme | | | | | | | Dersin Öğrenme Çıktıları | | 1. Girişimcilik konusunun temel kavramlarını açıklar. 2. Yaratıcılık, yenilik ve girişimcilik kavramlarını ve arasındaki ilişkiyi bilir. 3. İş modellemesi yapma bilgi ve becerisine sahip olma 4. İşletmelerin kuruluş sürecini bilir. 5. Franchising konusunda bilgi sahibi olur 6. Girişimcilikte tarasırım ve girişimcilik iklimi konularında bilgi sahibi olur. | | | | | | | Dersin İçeriği | | Girişimciliğin temel konuşarı hakkında bilgi verir. İş modeli, girişimcilikte tasarım, girişimcilik iklimi, franchising, işletme kurma, dijital girişimcilik konularını içerir. | | | | | | | **Haftalar** | **Konular** | | | | | | | | 1 | Girişimcilik kavramı, çeşitleri | | | | | | | | 2 | Girişimciliğin ekonomik, toplumsal ve kültürel temelleri | | | | | | | | 3 | İş modeli | | | | | | | | 4 | Girişimciliğin süreçleri ve iş fikri | | | | | | | | 5 | Girişimcilikte tasarım | | | | | | | | 6 | Girişimcilikte tasarım | | | | | | | | 7 | Girişimcilik iklimi | | | | | | | | 8 | Girişimcilik kültürü, kültürün girişimciliğe etkisi | | | | | | | | 9 | Franchising kavramı | | | | | | | | 10 | Franchise seçimi ve potansiyel franchise’ın araştırılması | | | | | | | | 11 | İşletme kurma | | | | | | | | 12 | Girişimin başarısızlık ve kapanma nedenleri | | | | | | | | 13 | Dijital girişimcilik | | | | | | | | 14 | Genel tekrar | | | | | | |  |  | | --- | | **Genel Yeterlilikler** | | Öğrencilerden, bu dersin ana konularını anlamaları ve alanları ile uygulamalarında kullanmaları beklenir. | | **Kaynaklar** |  |  | | --- | | Ürper, Y. (Ed.) (2012), Girişimcilik ve İş Kurma, Eskişehir, Anadolu Üniversitesi Yayını | | **Değerlendirme Sistemi** | | Harran Üniversitesi Ön lisans ve Lisans yönetmeliği gereği akademik dönem başında ilan edilen ders izlencelerinde belirtilecektir. |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **PROGRAM ÖĞRENME ÇIKTILARI İLE**  **DERS ÖĞRENİM KAZANIMLARI İLİŞKİSİ TABLOSU** | | | | | | | | | | | | |  | **PÇ1** | **PÇ2** | **PÇ3** | **PÇ4** | **PÇ5** | **PÇ6** | **PÇ7** | **PÇ8** | **PÇ9** | **PÇ10** | **PÇ11** | | **ÖÇ1** | 5 | - | - | - | - | - | - | - | 5 | - |  | | **ÖÇ2** | 5 | - | - | - | - | - | - | - | 5 | - |  | | **ÖÇ3** | 5 | - | - | - | - | - | - | - | 5 | - |  | | **ÖÇ4** | 5 | - | - | - | - | - | - | - | 5 | - |  | | **ÖÇ5** | 5 | - | - | - | - | - | - | - | 5 | - |  | | **ÖÇ6** | 5 | - | - | - | - | - | - | - | 5 | - |  | | **ÖÇ: Öğrenme Çıktıları PÇ: Program Çıktıları** | | | | | | | | | | | | | **Katkı Düzeyi** | | **1 Çok Düşük** | | **2 Düşük** | **3 Orta** | | | **4 Yüksek** | | **5 Çok Yüksek** | |   Program Çıktıları ve İlgili Dersin İlişkisi   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | |  | **PÇ1** | **PÇ2** | **PÇ3** | **PÇ4** | **PÇ5** | **PÇ6** | **PÇ7** | **PÇ8** | **PÇ9** | **PÇ10** | **PÇ11** | | **Girişimcilik** | 5 | - | - | - | - | - | - | - | 5 | - |  | |